http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 96

प्रयागराज रविवार 22 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

केजीएमयू का 120वां स्थापना दिवसः मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सीएम योगी

सरकार ने रोका सिस्टम का लीकेज : योगी

- चुनौती का सामना नहीं किया तो बिखर जाओगे : योगी
- शिक्षकों को किया गया सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के 120वें स्थापना दिवस पर सीएम योगी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 1905 में संस्था को योगदान देने वाली रियासतों को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा संकट के समय सबकी पहचान होती है। जब अचानक कोई चुनौती आती है, तब ज्यादातर लोग मैदान छोड़कर भाग जाते हैं। वक्त सबका आता है, जो सामना करता है वह निखर जाता है। जो नहीं करता वह बिखर जाता है। कोरोना काल में एक मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने खुद को क्वारेंटाइन कर लिया था। उस समय स्थिति सामान्य थी। कोई पेशेंट पॉजिटिव नहीं था। मुझे पता चला तो जो लोग क्वारेंटाइन थे उनके घर टीम भेजकर सभी का सैंपल कराया। तीन राउंड रिपोर्ट निगेटिव आई। बाद में सभी को सस्पेंड कर दिया। तब तक बहाल नहीं किया जब तक कोविड खत्म नहीं हुआ। कई लोगों ने पैरवी की पर बहाली नहीं हुई। ध्यान रहे कि कोई भी मरीज निराश न जाए। सीएम ने कहा प्रदेश में पैसे की कमी नहीं है। सभी कार्ययोजनाओं को समय पर आगे बढ़ाना है। सिस्टम में जो लीकेज था उसे डबल इंजन की सरकार ने रोक दिया है। 2017 में जब सरकार बनी खजाना खाली था। उस समय कई विभागों के पीएलए अकाउंट से वर्किंग स्टॉफ को सैलरी दी। किसानों का लोन माफ किया। आयुष्मान योजना में 12 हजार, असाध्य रोगियों के लिए 2 हजार 644 और 2 हजार 768 सीएम और पीएम रिलीफ फंड से इलाज के लिए मिलता है। 19 लाख पेशेंट ओपीडी में हर साल आते हैं। आज के समय दिनचर्या ऐसी है कि लोगों के पास अपने लिए समय नहीं है। इसी कारण बीमारी बढ़ रही है। दूसरी बीमारी स्मार्ट फोन है। आपको मानसिक रोग के लिए अभी से इसकी तैयारी करके रखनी होगी। सफल डॉक्टर की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना है। निरोगी होने के लिए सबसे बड़ी दवा आपका व्यवहार है। डॉक्टर का व्यवहार ठीक है तो नर्सिंग और पैरामेडिकल भी अच्छा व्यवहार करेगा। बीमारी से ठीक होने के बाद मरीज बीमारी को भूल जाता है पर व्यवहार नहीं भूलता। उसे हमेशा याद रखता है। आपको ये बात नहीं भूलनी चाहिए। 1905 में जब यहां मेडिकल कॉलेज खोलने की बात आई। उस समय की रियासतों ने सहयोग किया। 10 लाख 75800 रुपए से मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो गया। आज शानदार यात्रा के साथ देश के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान के रूप में केजीएमयू अग्रणी चिकित्सा संस्थान बना है। इस यात्रा को मैं देखता हूं तो मुझे लगता है कि लगभग 100 एकड़ के क्षेत्रफल में इसका दायरा होने जा रहा है। केजीएमयू के इतिहास गौरवशाली है। चिकित्सा विज्ञान की भारत ही नही दुनिया में कही कोई मेडिकल इवेंट होता है तो कोई न कोई जॉर्जियन अपनी प्रतिभा के बल पर लीड कर रहा होता है। जब भी आपने कोई बजट मांगा तत्काल दिया। दूसरे विभाग की जमीन भी आपको सीएम ने दी है। ट्रॉमा सेंटर में दोपहर बाद 3 से 4 बजे के करीब लगता है जुलूस निकल रहा है। मुझे उम्मीद है कि जो भी मरीज आएगा उसे निराश होकर वापस नही भेजा जाएगा। 50 करोड़ की लागत से आईआईटी कानपुर मेडिकल स्कूल एस्टेब्लिश करेगा। इसका मकसद मेडिकल और टेक्निकल संस्थान को एक छत के नीचे लेकर आना। 10 लाख 75 हजार 806 रुपए के दान से केजीएमयू की स्थापना हुई थी। इसमें एक भी रुपया अंग्रेजों ने नही दिया था। सब भारतीयों ने ही दिया था। मुझे उम्मीद है कि अगले साल के स्थापना दिवस पर जब आप आए तो ओपीडी में 19 लाख मरीजों को देखने सहित अन्य मरीजों की संख्या भी दोगुनी हो जाये। साल भर में 19 लाख मरीज ओपीडी में देखे गए। डेढ़ लाख एडमिट हुए और लगभग एक लाख मेजर और माइनर ऑपेरशन हुए हैं। ट्रॉमा सेंटर में रोजाना डेढ़ सौ और सालभर में एक लाख मरीजों को इलाज मिला है। ट्रॉमा सेंटर में पहले 24 घंटे फ्री इलाज के लिए डेडिकेटेड एचआरएफ सेंटर खोला गया है। शोध में इस बार 22 करोड़ की ग्रांट 290 प्रोजेक्ट के लिए मिले हैं। 92 बेड का आईसीसीयू और 2 कैथ लैब तैयार हो गए। स्पोर्ट्स मेडिसिन और प्रदेश का पहला बोन बैंक भी होगा। ट्रॉमा सेंटर के विस्तार के लिए 500 बेड के नए ब्लॉक के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। उम्मीद है कि बहुत जल्द इसका लाभ मिलेगा। ओएनजीसी से सीएसआर फंड के जरिए 12 मंजिला भवन में 1300 तीमारदार फ्री में रह सकेंगे।

कुवैत यात्रा भविष्य की साझीदारी के लिए : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी कुवैत की दो दिन की यात्रा दोनों देशों के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने और आपसी लाभ की भविष्य की साझीदारी के लिए एक रोडमैप तैयार करने का अवसर प्रदान करेगी। श्री मोदी ने रवानगी के पूर्व अपने वक्तव्य में कहा, "आज, मैं कुवैत राज्य के अमीर शेख मेशाल अल–अहमद अल–जबर अल–सबा के निमंत्रण पर कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। हम कुवैत के साथ पीढ़ियों से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंध को गहराई से महत्व देते हैं। हम न केवल मजबूत व्यापार और ऊर्जा भागीदार हैं, बल्कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि में भी हमारे साझा हित हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कुवैत के अमीर, क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठकों के लिए उत्सुक हूं। यह हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भविष्य की साझेदारी के लिए एक रोडमैप तैयार करने का अवसर होगा। उन्होंने कहा, मैं कुवैत में भारतीय प्रवासियों से मिलने का उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं, जिन्होंने दोनों देशों के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने में बहुत योगदान दिया है। मैं खाड़ी क्षेत्र के एक प्रमुख खेल आयोजन, अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में मुझे विशेष रूप से आमंत्रित करने के लिए कुवैत के नेतृत्व के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। मैं एथलेटिक उत्कृष्टता और क्षेत्रीय एकता के इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं।

मोदी ने ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर सभी से ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। श्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ध्यान व्यक्ति के जीवन के साथ–साथ हमारे समाज और धरती पर शांति एवं सद्भाव लाने का एक सशक्त तरीका है। उन्होंने लिखा," आज, विश्व ध्यान दिवस पर, मैं सभी से ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का अनुभव करने का आह्वान करता हूं। ध्यान एक व्यक्ति के जीवन के साथ–साथ हमारे समाज और धरती पर शांति एवं सद्भाव लाने का एक सशक्त तरीका है। प्रौद्योगिकी के युग में, ऐप्स और निर्देशित वीडियो हमारी दिनचर्या में ध्यान को शामिल करने में मदद करने वाले मूल्यवान उपकरण हो सकते हैं।"

राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता : भागवत

पुणे,(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता। श्री भागवत ने शुक्रवार को पुणे में शविश्वगुरु भारतश के व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा , "धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है। यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन

और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है।" उन्होंने आगे कहा, "जो लोग बिना दिखावे के लगातार सेवा करते हैं, वे सेवा की इच्छा रखते हैं। सेवा धर्म का पालन करते हुए हमें अतिवादी नहीं होना चाहिए और देश की परिस्थिति के अनुसार मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। मानव धर्म ब्रह्मांड का धर्म है और इसे सेवा के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। हम विश्व शांति की घोषणा करते हैं , लेकिन अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है? इस पर ध्यान देना जरूरी है। पेट भरने के लिए जो जरुरी है, वह करना चाहिए , लेकिन घर–गृहस्थी से परे जो कुछ भी हमें मिला है, उसका दोगुना सेवा के रूप में देना चाहिए।"

मकान में भीषण आग से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

देवास, 21 दिसंबर (वार्ता) मध्यप्रदेश के देवास जिले में एक मकान में लगी भीषण आग से एक दंपति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। नाहर दरवाजा पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात नयापुरा के एक

डेयरी संचालक में आग लग गई। उनकी नीचे डेयरी थी और ऊपर पूरा परिवार रहता था। देर रात मकान में अचानक आग भड़क गई। मौके पर अग्निशमन पहुंची और आग को बुझाया। हादसे में डेयरी संचालक और उनके पूरे परिवार की दम घुटने से मौत हो गई। आग के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि डेयरी नीचे की मंजिल पर थी और दूसरे मंजिल पर परिवार रहता था। पहली मंजिल खाली थी। समझा जा रहा है कि आग डेयरी से फैली और पहली मंजिल पर रखे सामान की वजह से भड़की।

केजरीवाल ने शुरू की अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना

- विदेश में पढ़ने वाले दलित परिवार के बच्चों का पूरा खर्च उठाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राज्यसभा में दलित आइकन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद के बीच आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले दलित छात्रों के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर एक छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने संविधान निर्माता पर अमित शाह के अपमानजनक यान के जवाब में डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति योजना शुरू की। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि दलित समुदाय का कोई भी व्यक्ति उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए मैं डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं। अब दलित समुदाय का कोई भी छात्र जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ना चाहता है, दिल्ली सरकार छात्रों के दाखिले के बाद उनका खर्च वहन करेगी। यह छात्रवृत्ति दलित समुदाय के सरकारी कर्मचारियों के लिए भी लागू होगी...हम डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा करके भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जवाब दे रहे हैं जिन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमित शाह पर अंबेडकर का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के बयान से वह और दलित आइकन के करोड़ों अनुयायी आहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि स्वतंत्र भारत में कोई संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ाएगा। अमित शाह के अपमानजनक बयान के जवाब में, मैं यह घोषणा कर रहा हूं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति योजना में शामिल किया जाएगा।

किसानों के साथ संवाद की जरूरत : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि किसानों के साथ संवाद करने और संवेदना जताने की आवश्यकता है। श्री धनखड़ हरियाणा के सिरसा में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, " आज आवश्यकता है संकल्पित होने कीकृ अन्नदाता से संबंधित प्रकरण संवाद और संवेदना से निर्णीत हों। अन्नदाता आर्थिक समृद्धि का आधार है। सामाजिक समरसता का सूत्रधार है।अन्नदाता का कल्याण ही देश प्रगति का शाश्वत रास्ता है और यही देश हित में भी।" उन्होंने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा प्रदेश के पाँच बार मुख्यमंत्री और सात बार विधायक रहे। लेकिन उनका व्यक्तित्व इनसे परिभाषित नहीं होता। जीवन पर्यंत उन्होंने अपने को किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला वर्ष 1989 के बड़े राजनीतिक बदलाव के प्रमुख सूत्रधारों में से थे। किसान कर्ज़ मुक्ति उनका ध्येय था। जनता दल सरकार का किसान कर्ज़ माफी कदम उनकी पहल था। निस्संदेह देश विकास और विकसित भारत का लक्ष्य ग्रामीण और किसान हित साधने से ही संभव है। उपराष्ट्रपति एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ सुदेश धनखड़ दिवंगत नेता के निवास तेजा खेड़ा पहुंचे। चौटाला परिवार से श्री धनखड़ के दशकों पुराने आत्मीय संबंध रहे हैं। उन्होंने शोकाकुल परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। इससे पहले श्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि एक दूरदर्शी राजनेता के रूप में उन्होंने सदैव ग्रामीण विकास एवं कृषि समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

पूरे देत्र में अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला जायेगा : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी डॉ भीमराव अंबेडकर

के सम्मान में पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित करेगी और पूरे देश में अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला जाएगा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को यहां जारी बयान में कहा कि पार्टी अगले सप्ताह पूरे देश में अंबेडकर सम्मान सप्ताह मनाएगी और 24 दिसंबर को पूरे देश मे मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा "गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम इन मनुस्मृति के उपासकों के खिलाफ़ डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत की रक्षा के लिए लड़ेंगे। पार्टी अगला सप्ताह डॉ अंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी।" श्री वेणुगोपाल ने कहा "सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता और कार्यसमिति के सदस्य 22–23 दिसंबर को देश भर में अपने निर्वाचन क्षेत्रों और जिला मुख्यालयों में प्रेस कॉन्फ्रेंस संबोधित करेंगे और 24 दिसंबर को पूरे देश में बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मोर्चा निकालेंगे और अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेंगे।" उन्होंने कहा , "सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। मार्च की पहली पंक्ति में उनका विशाल चित्र रखेंगे और अपनी प्रमुख मांगों के साथ बड़ी–बड़ी तख्तियाँ लेकर चलेंगे फिर 26–27 दिसंबर को बेलगांव में एक विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति सत्र होगा और एक मेगा रैली आयोजित की जाएगी , जहाँ डॉ. अंबेडकर और उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँगे।"

धामी ने चारों धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के चलते अधिकारियों से सुविधाएं बढ़ाने को कहा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अधिकारियों से आधारभूत ढांचा संबंधी सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रयास करने को कहा है। चारधाम के नाम से प्रसिद्ध हिमालयी मंदिरों के दर्शन के लिए हाल के वर्षों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। केदारनाथ और बदरीनाथ में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने को लेकर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। चारों धामों की धारण क्षमता बढ़ाने के निर्देश धामी ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में दिए। उन्होंने आगामी चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए भी अधिकारियों से अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यात्रियों को हर प्रकार की सुविधा जैसे यातायात प्रबंधन, आधारभूत ढांचा संबंधी सुविधाओं के विकास के दृष्टिगत धामों की धारण क्षमता, यात्रा मार्गों पर विभिन्न व्यवस्थाओं और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अभी से पूरी तैयारियां की जाएं।'' उन्होंने चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रस्तावित यात्रा प्राधिकरण बनाने के लिए भी सभी प्रक्रियाएं 30 जनवरी, 2025 तक पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी तक चारों धामों के तीर्थ पुरोहितों और हितधारकों के साथ बैठक कर उनके सुझाव लिए जाएं और यात्रा प्रबंधन के लिए सर्वश्रेष्ठ किया जाए।

धामी ने कहा कि चारों धामों के आस–पास के पौराणिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

विवाह संस्कार है कारोबार नहीं...पत्नी के गुजारा भत्ते पर सुप्रीम फैसला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। हर लड़की के जीवन में शादी से पहले और बाद में कई चुनौतियां आती हैं। कभी दहेज का दबाव तो कभी रिश्तों में हिंसा का डर। महिलाओं को इन मुश्किल हालात से बचाने और सुरक्षा का भरोसा देने के लिए कानून बनाए गए। ये कानून सिर्फ कागजी नियम नहीं बल्कि एक ढाल है जो उन्हें न केवल अन्याय से लड़ने की ताकत देते हैं बल्कि अपने जीवन को आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का हौसला तक देते हैं। भारतीय परिवारों में शादी टूटने के बाद पति पत्नी के बीच गुजारे भत्ते को लेकर जो झगड़े चलते हैं। बरसों बरस जो कानूनी दांव खेले जाते हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने एक लकीर खींच दी है। अतुल सुभाष केस के बाद महिला कानूनों पर छिड़ी बहस सड़क से संसद और अब कोर्ट तक पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर घरेलू हिंसा और दहेज कानूनों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को इन कानूनों का गलत इस्तेमाल न करने की सलाह दी है, जो उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुजारे भत्ते पर बड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने कहा कि हिंदुओं में विवाह पवित्र संस्कार की नींव होता है। ये परिवार की नींव होता है, इसे कारोबार के तौर पर नहीं देखा जाए। गुजारा भत्ता कानून महिलाओं के कल्याण के लिए हैं। इसका उद्देश्य पति से जबरन वसूली करना नहीं है। गुजारे भत्ते के कानून पति को धमकाने, सजा दिलाने और उस पर हावी होने का साधन नहीं होने चाहिए। हमें दूसरे पक्ष को भरण पोषण या गुजारे भत्ते के नाम पर संपत्ति के बराबर बांटे जाने के तरीके पर आपत्ति है। गुजारा भत्ता महिला की आर्थिक स्थिति पुरुष के समान बनाने के लिए नहीं बल्कि बेहतर जीवन देने के लिए है। सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पमी तलाक ले रहे एक दंपत्ति के मुकदमे में की है। पत्नी की शिकायत ये थी कि पति उसे मूल संपत्ति से बहुत कम हिस्सा दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बराबर बंटवारे का तर्क खारिज करते हुए ये भी सवाल किया कि अगर कल पति की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है।

सम्पादकीय

रासायनिक खादों के खतरे और जैविक विकल्प

मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में किसानों के सामने खाद की किल्लत एक गंभीर समस्या बन गई है। हर साल जब रबी सीजन की शुरुआत होती है, तब किसान अपनी फसलों के लिए जरूरी खादों की तलाश में परेशान हो जाते हैं। अक्टूबर और नवंबर महीने के समाचार–पत्रों के अनुसार, श्डीएपीश (डाई अमोनियम फॉस्फेट) खाद की भारी कमी और उसकी कालाबाजारी के कारण किसानों ने जगह–जगह चक्काजाम तक कर दिए हैं। कई जगहों पर लंबी–लंबी कतारें लगती हैं और किसान इस खाद को पाने के लिए दिन–रात एक कर देते हैं, लेकिन यह समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सरकार और किसानों के बीच संवाद की कमी और इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदमों की नितांत आवश्यकता है। कृषि में रासायनिक खादों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। विशेष रूप से श्डीएपीश खाद, जिसका उपयोग बीजों के साथ मिलाकर किया जाता है, फसलों की जड़ें मजबूत करता है और पौधों को बढ़ने में मदद करता है। गेहूं, चना, मसूर जैसी रबी फसलों के लिए यह खाद अत्यधिक आवश्यक है। इस खाद की कमी के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और अगर समस्या का समाधान नहीं किया जाता है, तो यह खाद संकट और भी विकराल रूप ले सकता है। हालांकि, सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है, फिर भी पिछले 10 वर्षों में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आया है। किसान अभी भी रासायनिक खादों के इस्तेमाल पर निर्भर हैं, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि हमारे देश की मिट्टी दिन–ब–दिन उर्वरता खोती जा रही है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अधिक इस्तेमाल से मिट्टी की जलधारण क्षमता में कमी आ रही है, जिससे भूमिगत जल–स्तर में भारी गिरावट आई है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट के कारण यह स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। कृषि में रासायनिक खादों का अत्यधिक उपयोग, विशेष रूप से यूरिया और डीएपी न केवल किसानों के लिए आर्थिक संकट पैदा करता है, बल्कि यह देश की कृषि नीति और पर्यावरण के लिए भी खतरा है। यह खाद आयात की जाती है और उस पर भारी सब्सिडी दी जाती है, जिससे सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यदि रासायनिक खादों के उपयोग को नियंत्रित किया जाए, तो सरकार का भारी खर्च बच सकता है, साथ ही किसानों को भी इन खादों की कालाबाजारी से मुक्ति मिल सकती है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार को एक ठोस योजना बनानी चाहिए, जिसके तहत हर किसान से कम–से–कम एक एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया जाए। यह योजना न केवल खाद की किल्लत को खत्म करने में मदद करेगी, बल्कि किसानों को शुद्ध और पोषणयुक्त खाद्यान्न भी उपलब्ध कराएगी, जिससे उनकी सेहत में सुधार होगा और उन्हें रासायनिक खादों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। आइए, अब एक उदाहरण से समझते हैं कि प्राकृतिक खेती से किस तरह से रासायनिक खादों की खपत कम की जा सकती है। मान लीजिए कि देशभर में 14 करोड़ किसान हैं और प्रत्येक किसान अपने एक एकड़ खेत में 150 किलोग्राम श्डीएपीश खाद का इस्तेमाल करता है। यदि एक किलोग्राम श्डीएपीश की कीमत 27 रुपये है, तो एक किसान को 150 किलोग्राम श्डीएपीश खरीदने के लिए 4050 रुपये खर्च करने होंगे। यदि हम पूरे देश की 14 करोड़ एकड़ भूमि पर इसका हिसाब करें, तो कुल खर्च 56,700 करोड़ रुपये खर्च होगा। इसी तरह, यूरिया खाद का भी व्यापक उपयोग हो रहा है। यदि प्रत्येक किसान 300 किलो श्यूरियाश प्रति एकड़ इस्तेमाल करता है, तो उस पर भारी खर्च हो रहा है। यदि इसे जोड़ दें तो कुल मिलाकर 79,212 करोड़ रुपये का खर्च रासायनिक खादों पर हो रहा है। इस समस्या का समाधान एक साधारण योजना के माध्यम से किया जा सकता है। अगर किसान अपने एक एकड़ खेत में प्राकृतिक खेती करने के लिए राजी हो जाते हैं, तो न केवल खाद पर होने वाले खर्च में भारी कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा में भी योगदान मिलेगा। इस प्रकार सरकार को किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें इस दिशा में सहायता देने के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए। प्राकृतिक खेती के लिए सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करना चाहिए, जिसमें कुछ चयनित जिलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। इसके अलावा किसानों को इस योजना में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा सकती है। प्राकृतिक खेती से जुड़े खर्चों की भरपाई के लिए सरकार किसानों को सम्मान निधि या अन्य वित्तीय सहायता प्रदान कर सकती है, ताकि वे इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकें। इस योजना का न केवल किसानों पर सकारात्मक असर होगा, बल्कि पर्यावरण और हमारे जीवन स्तर पर भी इसके फायदे होंगे। अगर हम अब भी रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल करते रहेंगे, तो हमारा भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए हमें सरकार और किसान दोनों की ओर से कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। अगर देशभर में कम–से–कम एक एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, तो यह कृषि क्षेत्र के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है। इसके अलावा, जब किसान इस बदलाव को समझेंगे और इसके लाभ को देखेंगे, तो वे खुद भी रासायनिक खादों का प्रयोग कम करने के लिए प्रेरित होंगे। इस तरह, अगर सरकार और किसान मिलकर प्राकृतिक खेती की दिशा में कदम बढ़ाते हैं, तो न केवल खाद की किल्लत खत्म होगी, बल्कि देश का पर्यावरण भी संरक्षित रहेगा और हम एक स्वस्थ और समृद्ध समाज की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। किसानों के सामने खाद की किल्लत, रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल और उसके दुष्परिणामों को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। इस दिशा में ठोस कदम उठाने से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, बल्कि पर्यावरण की स्थिति भी सुधरेगी।

थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है... चैन से सोने से पहले हमें अभी बहुत कुछ करना है

❍ प्रधानमंत्री मोदी भारत में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। लेकिन अगला वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए अभी कसर बाकी है।

पत्रलेखा चटर्जी

हाल के वर्षों में पश्चिमी नेतृत्व वाली उदार व्यवस्था से असंतोष दुनिया भर में एक नारा बनकर उभरा है। कूटनीतिक गलियारों से लेकर अर्थव्यवस्था और सुरक्षा नीतियों तक बहुपक्षीय मंचों में गिरावट आई है, जिससे विकासशील देशों या ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और अधिक प्रभावशाली स्थान के लिए आवाजें उठ रही हैं। 'ग्लोबल साउथ के लिए प्रतिस्पधार्रू एशिया और एक बहुध्रुवीय दुनिया में नेतृत्व की खोज' शीर्षक से एक नई रिपोर्ट, जिसे प्रसिद्ध थिंक टैंक द इटैलियन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिकल स्टडीज (आईएसपीआई) के लिए काम करने वाले विद्वानों फिलिपो फासुलो और निकोला मिसाग्लिया द्वारा संपादित किया गया है, में कहा गया है, 'फिर भी, न तो ग्लोबल नॉर्थ और न ही ग्लोबल साउथ को एकीकृत ब्लॉक के रूप में देखा जा सकता है। सुधार का आह्वान अक्सर विभिन्न दिशाओं की तरफ खींचता है। इस विकसित होते परिदृश्य में भारत और चीन अग्रणी दावेदार के रूप में उभरे हैं, जिनमें से प्रत्येक एक अधिक संतुलित वैश्विक व्यवस्था को आकार देने की होड़ में लगा है।'

बेशक चीन और भारत, दोनों एक बेहद संतुलित विश्व व्यवस्था को आकार देने की होड़ में शामिल हैं, लेकिन यह चीन के लिए आसान नहीं होने वाला है, जो खुद को उदार लोकतंत्र के पारंपरिक पाश्चात्य मॉडल के विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहता है। यह भारत के लिए भी आसान नहीं है, जिसका भू–राजनीतिक प्रभाव वैश्विक मंचों पर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने की भारत की कोशिश, उसकी विदेश नीति में नई दृढ़ता से उपजी है–यह आत्मविश्वास आर्थिक विकास और चीन के भू–राजनीतिक प्रतिबल तथा पश्चिम के लिए सेतु के रूप में उसकी बढ़ती हुई स्थिति से उत्पन्न हुआ है। फासुलो और मिसाग्लिया ने कहा, 'वैश्विक मंच पर भारत की विश्वसनीयता केवल चीन के साथ उसकी प्रतिद्वंद्विता पर निर्भर नहीं है। यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि भारत अपनी महत्वपूर्ण आंतरिक चुनौतियों का समाधान किस प्रकार करता है।' वे बताते हैं कि 'नरेंद्र मोदीदूजो 2024 में तीसरे कार्यकाल के लिए कम बहुमत के साथ पुनः निर्वाचित हुए हैं–ने भारत की नौकरशाही को आधुनिक बनाने और अक्षमताओं को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजिटल उपकरणों के प्रसार को बढ़ावा दिया है और यह कि भारत सरकार ने 'मेक इन इंडिया' अभियान के जरिये बुनियादी ढांचे, नियामक सुधार और घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण निवेश भी किया है।' हालांकि भारत को वास्तव में नया चीन बनने (अगले वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने) के लिए अपनी मानव पूंजी में निर्णायक रूप से अधिक निवेश करना होगा।'

एक अरब से ज्यादा की आबादी वाले देश में कुछ भारतीय हमेशा बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। कुछ लोगों ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया भी है। लेकिन किसी भी देश का भविष्य बहुसंख्यक लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर निर्भर करता है, केवल कुछ लोगों पर नहीं। इसलिए स्वास्थ्य, शिक्षा, उन्नत प्रशिक्षण, भारत के कार्यबल में महिलाओं का समावेशन ज्यादा महत्वपूर्ण है। खासकर इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा और अनिश्चित दौर में। फासुलो और मिसाग्लिया कहते हैं, 'भारत में स्कूली शिक्षा का औसत स्तर सिर्फ 6.5 साल है (इसकी तुलना में वियतनाम में 8.3 और थाईलैंड में 8.9 वर्ष है), तीन में से एक महिला श्रम बाजार से बाहर रहती है, और भारत का मध्यम वर्ग का उपभोक्ता आधार आश्चर्यजनक रूप से 500 अरब डॉलर है, जबकि वैश्विक बाजार 300 खरब डॉलर से ज्यादा का है। अगर भारत के उदय को ठोस, टिकाऊ और स्थायी बनाना है, तो इन चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए।' उनका तर्क है कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने लोकतांत्रिक प्रणाली के माध्यम से आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाया है, जो अपूर्ण होने के बावजूद मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश का लोकतंत्र 'सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषायी रूप से बहुल समाज में राजनीतिक विभाजन, अपकेंद्रित ताकतों और कभी–कभार होने वाली हिंसक घटनाओं को नियंत्रित करने में कामयाब रहा है।' स्पष्ट रूप से, भारत की कहानी इस बात पर निर्भर करती है कि देश अपनी बाहरी चुनौतियों के साथ–साथ आंतरिक चुनौतियों का भी कुशलतापूर्वक प्रबंधन करता है। आंतरिक संतुलन काफी हद तक सामाजिक सद्भाव पर निर्भर करेगा। भारत अपनी मौजूदा दरारों को और गहरा करने का जोखिम नहीं उठा सकता। 1947 में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजाद होने के बाद से भारत ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन चौन से सोने से पहले हमें अभी बहुत कुछ करना है।

पर्यावरण और सवाल : समुद्री पक्षियों पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव

❍ समुद्री पक्षी महासागर के दूर दराज द्वीपों प्रजनन करते हैं जहां कई बार इंसानी गतिविधियां न के बराबर होती हैं। परन्तु फिर भी इंसानों द्वारा निर्मित एक ऐसा वस्तु है जो समुद्री पक्षियों के लिए एक भयंकर संकट बन चुका है और वह है प्लास्टिक।

डॉ. गीतांजलि कतलम

समुद्री पक्षी मुख्यतयारू महासागर पर निर्भर रहने वाले पक्षी हैं। वे ज्यादातर अपना जीवनकाल मुख्य भूखंड से दूर समुद्र में व्यतीत करते हैं तथा महासागर के हर छोर पर पाए जाते हैं। इन पंछियों के पंख जलरोधक होते हैं और खारे पानी से नमक को अलग करने की इनमें विशेष क्षमता होती है। समुद्रीय पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में इनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। समुद्री पक्षी महासागर के दूर–दराज द्वीपों प्रजनन करते हैं जहां कई बार इंसानी गतिविधियां न के बराबर होती हैं। परन्तु फिर भी इंसानों द्वारा निर्मित एक ऐसा वस्तु है जो समुद्री पक्षियों के लिए एक भयंकर संकट बन चुका है और वह है प्लास्टिक। आज तक जितने भी प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, वह अभी भी धरती पर मौजूद हैं। इस सदी के पहले दशक में इतनी मात्रा में प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, जो सन् 2000 से पहले कभी नहीं हुआ। वर्तमान में समुद्र में लगभग 15 –51 ट्रिलियन प्लास्टिक के कणों के मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है।

प्लास्टिक की उपस्थिति हजारों मीलों दूर समुद्र के बीचों–बीच स्थित द्वीपों पर भी दर्ज की गई है। उत्तर पैसिफिक में ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच नाम से जाना जाने वाला विशाल कचरे का खंड है जो आकार में अमेरिका के टेक्सास राज्य से दोगुना है। प्लास्टिक की समस्या, समुद्री तट से लेकर महासागर की गहराईयों और दूरवर्ती द्वीपों पर भी गंभीर रूप लेती जा रही है। हर साल हजारों की तादाद में समुद्री पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के प्रमाण पाए गए हैं। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि प्रत्येक वर्ष लगभग 1 मिलियन पक्षियों की प्लास्टिक निगलने के कारण मृत्यु होती है। सन् 1960 में, 5 प्रतिशत से भी कम पक्षियों के पेट में प्लास्टिक पाए गए थे। अब 20 साल बाद यह संख्या 10 गुना बढ़ के 80 प्रतिशत हो गई है। यह समस्या बहुत ही गंभीर है और विस्फोटक तरीके से बढ़ती जा रही है, जिसके कारण इन पक्षियों की जन्संख्या और प्रजनन पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ सकता है। सन् 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्रीय पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के खतरे का अनुमान है।

वैज्ञानिक शोध से यह जाना गया है की समुद्री पक्षियों में प्लास्टिक निगलने के अनेक गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। वयस्क पक्षी गलती से प्लास्टिक के कचरे को शिकार समझकर चूजों को खिला देते हैं जो बहुत छोटे, और शिकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। प्लास्टिक निगलने से इन चूजों की वयस्कता तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है। प्लास्टिक पक्षियों के पेट में जमा होने लगता है, जिसकी वजह से भुखमरी जैसी स्थिति पैदा होने से इनकी मृत्यु हो जाती है। मृत समुद्री पक्षियों के पेट में काफी मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है।

प्लास्टिक के सेवन के बाद समुद्री पक्षियों में स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रकार की समस्याएं देखी गई हैं, जैसे जो पक्षी वयस्कता तक जीवित रह जाते हैं उनके शरीर का विकास कम होता है। उनके पंख और चोंच छोटे रह जाते हैं और शरीर का वजन भी कम होता है। प्लास्टिक पक्षियों में गुर्दे संबधित विकार से यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने के साथ कोलेस्ट्रॉल एवं एन्जइम्स के निर्माण पर भी विपरीत प्रभाव डालता है।

प्लास्टिक निगलने की समस्या समुद्री सतह पर शिकार करने वाले जैसे अल्बाट्रोस या गोते लगाने वाले जैसे पफिंस में भी पाई गई है। कुछ समुद्री पक्षी जैसे ऐल्बाट्रॉस प्लास्टिक पर दिए हुए मछलियों के अंडे या फिर प्लास्टिक के टुकड़ों को स्क्विड समझ कर खा जाते है। प्लास्टिक में उलझने और फंसने से भी कई समुद्री पक्षी घायल हो जाते हैं या संक्रमण के शिकार हो जाते है या फिर डूब जाते हैं। जाल में फसने के कारण उनकी चाल और गति धीमी हो जाती है जिससे वो आसानी से अन्य जानवरों के शिकार बन जाते है।

अंबेडकर के प्रति नफरत का शाही इजहार

आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कौन कह सकता है कि ये शब्द अमित शाह के हैं जो देश के गृह मंत्री हैं। यह भी कोई नहीं सोच सकता कि वे उसी संविधान की बदौलत यह पद पाकर देश की सर्वोच्च संस्था में सरकार का दाहिना हाथ बनकर उन्हीं अंबेडकर को कोस रहे हैं जिन्हें संविधान की रचना का मुख्य श्रेय जाता है। फिर, यह भी कल्पना के परे है कि गृह मंत्री उसी संसद के फ्लोर पर खड़े होकर ऐसा कह रहे हैं जो संविधान के दिशानिर्देशों के अनुसार चलती हैय और फिर जिस सत्र के दौरान शाह ने यह अप्रिय व अशालीन टिप्पणी की वह उसी संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा का स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह टिप्पणी शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखते हुए अपने भाषण के दौरान की। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने हाथ उठाकर उसी वक्त अपनी आपत्ति प्रकट करने की इजाजत तो मांगी थी लेकिन सरकार का बचाव करने के लिये कटिबद्ध सभापति व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसे नजरंदाज कर दिया। इसे लेकर संसद परिसर में बुधवार को सांसदों का रोष दिखलाई दिया जो कि स्वाभाविक है। खरगे ने कहा कि श्बेशक उनके लिये और उनके जैसे करोड़ों लोगों के लिये अंबेडकर भगवान की ही तरह हैं। उल्लेखनीय है कि खरगे दलित समुदाय से आते हैं। सांसदों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए संसद परिसर में एक प्रदर्शन किया जिसमें वे अपने हाथों में अंबेडकर के चित्र लिये हुए थे। उन्होंने शाह से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। दुखद बात तो यह है कि अपने गृह मंत्री के बयान पर शर्मिंदा होने अथवा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बजाये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बचाव पर उतर आये। उन्होंने कांग्रेस पर शाह का अधूरे बयान उद्धृत कर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि शाह ने कांग्रेस को देश के पहले कानून मंत्री अंबेडकर के साथ जो किया था, उसके बारे में जानकारी दी है। शाह के पक्ष में भाजपा का आईटी सेल भी उतर आया और उसने सफाई में गृह मंत्री का पूरा वीडियो डाला है। उधर राहुल गांधी ने इस पर यह बयान देकर शाह की घेराबन्दी की है कि श्जो लोग मनुस्मृति में भरोसा करते हैं उन्हें अंबेडकर से तकलीफ तो होगी ही। लोकसभा में इस विषय पर चर्चा करते हुए राहुल ने संविधान और मनुस्मृति की प्रतियां दिखलाते हुए कहा था कि श्असली लड़ाई इन दोनों किताबों के बीच की है। यदि कोई सोचता है कि शाह का यह बयान कोई सामान्य सा उद्धरण है तो उसे अपनी गलतफहमी को दूर कर लेना चाहिये। संविधान का गौरव गान करने वाला यह विशेष सत्र सत्तारुढ़ दल भारतीय जनता पार्टी ने कोई स्वरुचि या अंतरूप्रेरणा से अथवा वास्तविक श्रद्धा भाव के साथ आयोजित किया हो, तो ऐसा बिलकुल नहीं है। जिस दल के वैचारिक पुरखों ने पहले दिन से ही संविधान को नकार दिया हो उसके मन में यकायक प्रेम उमड़ पड़ना भाजपा की सियासी मजबूरी है। जड़ में तो घृणा ही है। इस साल के लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और उसका नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) दोनों इस बात को लेकर निश्चिंत थे कि उन्हें 370 व 400 का आंकड़ा प्राप्त होगा। यानी भाजपा अपने अकेले दम 370 सीटें लायेगी तथा मिल–जुलकर 400 की संख्या पार हो जायेगी। अति उत्साहित कई भाजपा उम्मीदवारों और नेताओं ने पहले ही बता दिया कि श्मोदी को इस बम्पर जीत की जरूरत इसलिये है क्योंकि उन्हें संविधान बदलना है। भाजपा–एनडीए को उम्मीद थी कि सामाजिक ध्रुवीकरण के चलते बड़ी जीत हासिल होगीय लेकिन इसे विपक्षी गठबन्धन खासकर कांग्रेस ने अपना प्रमुख विमर्श बना लिया। स्थिति पलट गयी। सीटों के एक बड़े नुकसान के साथ भाजपा तेलुगू देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों का सहारा लेकर ही सरकार बना सकी। जब माना गया कि यह नारा खिलाफ जा रहा है, तो मोदी एवं भाजपा ने सुर बदले और चुनाव के पहले ही कहना शुरू कर दिया कि संविधान बदलने की विपक्ष अफवाह फैला रहा है। संविधान बदलने से मुख्य तात्पर्यय और जो भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता रहा है, कि आरक्षण खत्म हो। इस संविधान से उनकी सबसे बड़ी आपत्ति इसी प्रावधान को लेकर रही है। जिस संविधान को संघ के तत्कालीन नेताओं ने यह कहकर अस्वीकार कर दिया था कि श्इसमें कुछ भी भारतीय नहीं हैश, आज उनके वारिसान खुद को उसके सबसे बड़े संरक्षक दिखलाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा–संघ की मजबूरी यह हैय त्रासदी भी, कि जिन डॉ. अंबेडकर के प्रति नफरत का भाव रखते हुए भाजपा–संघ की कई पीढ़ियां बड़ी हुई, जिनमें वर्तमान शासकों की भी है, उन्हें ही संविधान की स्तुति करनी पड़ रही है और आरक्षण कभी खत्म न होने देने का शोर मचाना पड़ रहा है। असलियत तो यही है कि मोदी–शाह जानते हैं कि संविधान, आरक्षण एवं अंबेडकर को नकारते ही भाजपा सत्ता से बाहर हो जायेगी। यह भी सच है कि संघ के 2025 में 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के दौरान वे रंग में भंग नहीं होने देना चाहते। भाजपा इंतजार करना पसंद करेगी। वरना हर किसी को याद है कि अंबेडकर की मूर्ति को नये संसद भवन में हटाकर इतने पीछे कर दिया गया है कि कोई देख न सके।

शहर में 12 में से सिर्फ 1 हाईड्रेंट बचा, तीन तहसीलों ने जरूरत ही नहीं समझी

वाराणसी। शहर में कहीं भी आग लगने पर दमकल वाहनों को पानी देने के लिए कागजों पर 12 हाईड्रेंट बने हैं। लेकिन इसमें एक का ही अस्तित्व बचा है। दरअसल नगर के मुख्य बाजारों में लगे हाइड्रेंट सड़क चौड़ीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। वहीं तीन तहसीलों मधुबन, मुहम्मदाबाद गोहना, घोसी नगर पंचायत के जिम्मेदारों ने अब तक अपने यहां सार्वजनिक जगहों पर हाइड्रेंट लगाने की जरूरत ही नहीं समझी है। मुहम्मदाबाद गोहना नगर पंचायत के गांधीनगर में बीते मंगलवार की रात गोदाम में लगी आग की घटना के बाद हाईड्रेंट न होना और सभी निकायों के प्रमुखों का इस संबंध में गंभीर न होना नियमों की अनदेखी है। जबकि नियमानुसार सार्वजनिक जगहों पर हाईड्रेंट की सुविधा होनी चाहिए, इससे कोई घटना होने पर पानी खत्म होने पर इन हाईड्रेंट से पानी भरा जा सकें। दूसरी तरफ निकायों के जिम्मेदारों का तर्क है कि हाईड्रेंट के बजाए ऐसी घटनाओं पर ओवरहेड टैंक लगे नलकूप से पानी की आपूर्ति

की जाती है। नगर में आग लगने की घटना से बचाव की व्यवस्था के तहत न दमकल को पानी मुहैया कराने के लिए शहर में अलग से लाइन बिछाकर कोतवाली, गाजीपुर तिराहा, आजमगढ़ मोड़, माता पोखरा, मिर्जाहादीपुरा सहित 12 स्थानों पर हाईड्रेट प्वाइंट बनाए थे। बीच–बीच में सड़क के चौड़ीकरण व ऊंचा करने के दौरान यह दब गए। वर्तमान में केवल फायर बिग्रेड कार्यालय के सामने ही एक मात्र हाईड्रेंट अपने अस्तित्व में है, बाकी जो हाइड्रेंट हैं वह सड़क चौड़ीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। चौंकाने वाली बात है कि इसको लेकर नई जगहों पर न तो हाइड्रेंट बनाने की कवायद हुई न ही पुराने ही हाईड्रेंटों को ही उच्चीकरण कर उन्हें कार्य लायक बनाया गया है। हाईड्रेंट की सबसे ज्यादा जरूरत उस समय सामने आई जब बीते मंगलवार की रात मुहम्मदाबाद गोहना नगर पंचायत के गांधी नगर स्थित गोदाम में भीषण आग लगी की घटना हुई, जहां जिले की पांच दमकल गाड़ियों के अलावा आजमगढ़ जिले के एक दमकल गाड़ी आग बुझाने में लगी थी, जहां पानी खत्म होने पर लोगों के सबमर्सिबल के साथ नगर पंचायत के नलकूप से पाइप लगाकर दमकल गाड़ियों में पानी भरा गया। वहीं, नगर पालिका मऊ के जिम्मेदारों का दावा है कि हाईड्रेंट न होने की स्थिति में गाजीपुर तिराहा कपलिंक, स्वदेशी कॉटन मिल, शाही कटरा, माता–पोखरा के नलकूप से वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

हर साल बढ़ रही हैंआग लगने के मामले

अग्नीशमन विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो हर वर्ष आगलगी की घटना का ग्राफ बढ़ रहा है। 2021 में जहां 135 आगलगी की घटना हुईं थीं, वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर 150 हो गई थी। इसीक्रम में 2023 में 155, जबकि 2024 में 160 से ज्यादा घटना हो चुकी हैं। इसमें 80 फीसदी आगलगी की घटना अप्रैल, मई, जून में होती हैं। वहीं, दूसरी तरफ आग लगने की घटना को लेकर बचाव करने वाले दमकलकर्मियों की कमी है। जिला मुख्यालय सहित तीन अन्य तहसील मुहम्मदाबाद गोहना, घोसी, मधुबन में सीएफओ सहित 50 दमकलकर्मी हैं। जबकि एक फायर स्टेशन पर 16 फायर मैन, एक दरोगा, दो लीडिंग फायर मैन, दो दीवान, दो चालक, एक कुक की तैनाती होती है। इसके सापेक्ष जिला मुख्यालय पर सीएफओ सहित 27 दमकलकर्मी की तैनाती है। मधुबन में तीन फायर मैन, एक चालक, मुहम्मदाबाद गोहना में चार फायर मैन, एक चालक, घोसी में बन रहा फायर स्टेशन अभी शुरू नहीं हुआ है।

1130 अधिवक्ता करेंगे अध्यक्ष, महामंत्री सहित 10 पदों के 25 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

मऊ। सिविल कोर्ट सेंट्रल बार एसोसिएशन की 22 सदस्यीय नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। 1130 अधिवक्ता अध्यक्ष, महामंत्री सहित 10 पदों के लिए चुनाव लड़ रहे 25 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। मतदान के समय सभी अधिवक्ताओं को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा जारी सीओपी युक्त परिचय पत्र अथवा प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य होगा। इसके अभाव में कोई भी अधिवक्ता मतदान नहीं कर सकेगा। मतदान के लिए पुस्तकालय भवन को मतदान केंद्र बनाया गया है। मतदान को लेकर कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। एल्डर कमेटी के चेयरमैन गुरुनरायन पांडेय और चुनाव अधिकारी मुहम्मद एकबाल ने बताया कि अध्यक्ष, महामंत्री सहित 10 पदों के लिए शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसके लिए 25 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान के लिए 1130 अधिवक्ताओं को मतदाता बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मतदान के समय सभी अधिवक्ताओं को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से जारी सीओपी युक्त परिचय पत्र अथवा प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य होगा। इसके अभाव में कोई भी अधिवक्ता मतदान नहीं कर पाएगा। मतदान संघ के पुस्तकालय भवन में होगा। मतदान को सकुशल संपन्न कराने के लिए दो

बूथ और 16 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। बूथ संख्या एक पर मतदाता सूची के क्रमांक संख्या एक से लेकर 570 तक के अधिवक्ता मतदान करेंगे। वहीं बूथ संख्या दो पर क्रमांक संख्या 571 से लेकर 1130 तक के अधिवक्ता मतदान करेंगे। मतदान को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए एल्डर कमेटी के सदस्य दीनानाथ यादव, रविंद्र लाल श्रीवास्तव, शंभूशरण श्रीवास्तव, सर्वेश सिंह के अलावा चुनाव संचालन समिति में जकी अहमद, राकेश वर्मा, रूपेश पांडेय, बृजेश कुमार शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, प्रमोद यादव, रामविलास यादव, नंदू प्रसाद, शिवाजी, श्यामसुंदर दूबे को शामिल किया गया है। मतदान को लेकर कचहरी परिसर में सुरक्षा का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।

पत्नी के प्रेमी को बुलाकर पिलाई शराब और चाकू से गोदकर हत्या कर दी

पीडीडीयू नगर। बलुआ थाना क्षेत्र के 16 दिसंबर को वंशीपुर नहर में देवरापुर गांव निवासी मुन्ना यादव के शव मिलने के मामले का का खुलासा बृहस्पतिवार को एसपी आदित्य लांग्हे ने किया। उन्होंने बताया कि बताया कि युवक की हत्या उसके गांव के ही राकेश यादव ने की थी। उसने मुन्ना को अपने पत्नी के साथ आपत्तिजनक हाल में पकड़ा था। आरोपी ने बताया कि मेरे बार–बार मना करने के बाद भी दोनों मिलते रहे। इसलिए उसने मुन्ना को बुलाकर पहले शराब पिलाई और फिर चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि हत्यारोपी राकेश यादव ने गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले आधी रात को अपने घर में मुन्ना यादव को मेरी पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था। मेरे मना करने के बाद भी दोनों बार–बार मिलते रहे।

सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर टॉली से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

मोहनिया। दुर्गावती थाना क्षेत्र के मरहियां मोड़ के पास बुधवार की रात ट्रैक्टर ट्रॉली से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। तीन युवक एक बाइक से जन्मदिन के लिए केक और मिठाई लेने जा रहे थे। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। दुर्गावती थाना क्षेत्र के ईसडी गांव निवासी शिवम यादव (24), ओमप्रकाश राम (19) और अखिलेश राम एक बाइक से मरहिया मोड पर केक और मिठाई लाने जा रहे थे। खामीदौरा पंचायत सरकार भवन के पास सड़क के किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में शिवम यादव की मौके पर मौत हो गई जबकि ओमप्रकाश राम ने बनारस ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

रेलवे पार्सल में 28 साल से खड़े हैं 28 दोपहिया वाहन

वाराणसी। रेलवे पार्सल का नियम है कि दोपहिया वाहन यदि पार्सल कार्यालय में पहुंचा तो उसे छह घंटे के अंदर छुड़वाना होगा। अन्यथा 10 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से विलंब शुल्क लगता है। हालांकि 28 यात्रियों ने अपने 28 दोपहिया वाहनों को साल 1996 से कैंट के पार्सल कार्यालय से नहीं छुड़ाया है। लिहाजा उन वाहनों का पार्सल विलंब शुल्क 28 साल में इतना बढ़ गया कि उतने में चार पहिया वाहन खरीद लेंगे। 28 साल का किराया 24 लाख 52 हजार 800 रुपये हुआ है। कबाड़ हो चुके 28 दोपहिया वाहनों की नीलामी भी होगी तो किराये की इतनी रकम नहीं निकल पाएगी। कैंट रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में बुलेट, राजदूत, स्कूटर और बाइक समेत दोपहिया वाहन वर्ष 1996 से खड़े हैं। पार्सल आया, लेकिन उसे छुड़ाने के लिए वाहन स्वामी सामने नहीं आए। पार्सल कार्यालय कर्मियों को इंतजार रहा कि एक, दो और तीन माह बाद आएंगे लेकिन धीरे–धीरे दो दशक से अधिक 28 साल गुजर गए और वाहन स्वामियों का अता पता नहीं चला। इन गाड़ियों के कागजात नहीं होने के कारण उनके मालिकों तक पार्सल विभाग पहुंच नहीं सका। इसी चक्कर में इन वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया भी अटकी रही।

अदालत के आदेश पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सेवापुरी। अदालत के आदेश पर जंसा थाने की पुलिस ने मारपीट और गालीगलौज के आरोप में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हैं। जंसा कस्बा निवासी प्रदीप कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि एक अक्तूबर को लहरतारा निवासी अनिल शास्त्री सहित अन्य लोग घर में घुसकर उनके बेटे सुजीत कुमार विश्वकर्मा को मारते–पीटते हुए गाड़ी छीनकर ले गए थे। पुलिस से शिकायत की गई थी, मगर कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह अदालत की शरण में गए।

महाशिवरात्रि पर 13 अखाड़े करेंगे काशी में पेशवाई

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी महाकुंभ का वैभव दुनिया देखेगी। महाकुंभ में स्नान के बाद अखाड़ों का अगला पड़ाव काशी ही रहेगी। देवादिदेव महादेव का अभिषेक करके अखाड़ों के महामंडलेश्वर धर्मध्वजा को अनंत काल तक फहराने का आशीर्वाद मांगेंगे। इस दौरान काशी की सड़कों पर अखाड़ों की पेशवाई होगी, वहीं गंगा घाटों पर धुनी रमाए साधुओं की टोली भी डेरा डालेगी। महाकुंभ के समापन के बाद 13 अखाड़े बनारस में बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए पहुंचेंगे। महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को काशी में अखाड़ों की पेशवाई होगी। गाजे–बाजे, रथ, हाथी और घोड़े के साथ अखाड़ों की पेशवाई अखाड़ों से श्री काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही शहर की सड़कों पर निकलेगी। इस दौरान काशी की जनता बाबा विश्वनाथ की सेना के रूप में मशहूर नागा साधुओं का वैभव देखेगी। अपनी–अपनी धर्मध्वजा के साथ अखाड़ों के महामंडलेश्वर पेशवाई का नेतृत्व करेंगे।

प्रो. ओम शंकर ने कुलपति पर लगाया आरोप, कहा- इमरजेंसी पॉवर का कर रहे दुरुपयोग

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के हृदय रोग विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ओम शंकर ने विश्वविद्यालय में की गई नियुक्तियों पर सवाल खड़ा किया है। बृहस्पतिवार को विभाग में प्रेस कांफ्रेंस कर प्रो. ओम शंकर ने कुलपति पर नियमों के विपरीत नियुक्ति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुलपति ने अपने इमरजेंसी पॉवर का दुरुपयोग कर नियुक्तियां की हैं। साथ ही यूजीसी के मानकों और कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया है। इधर, प्रेस कांफ्रेंस करने की सूचना पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य प्रो. ओम शंकर को ऐसा करने से रोकने पहुंचे, लेकिन उन्होंने नियमों का हवाला दिया। कुछ देर रहने के बाद सुरक्षा कर्मी समेत अन्य सदस्य वापस लौट गए।

प्रोफेसर ने इन आदेशों का दिया हवाला

प्रो. ओम शंकर ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि कुलपति ने बीएचयू अधि

नियम के क्लॉज 7 (सी) 5 के तहत आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए नियमित और गैर–आपातकालीन नियुक्तियों को उचित ठहराया है। यह अधीन शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यम से 2001 और 2015 में जारी आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन हैं। विजिटर यानी तत्कालीन राष्ट्रपति के आदेश पर ये आदेश जारी हुए थे, जिसका कुलपति ने सीधे तौर पर उल्लंघन किया है। इन आदेशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नियमित नियुक्तियों के लिए आपातकालीन शक्तियों का उपयोग नहीं किया जा सकता है। कहा कि कुलपति ने भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण रोस्टर को प्रदर्शित करने की अनिवार्यता का पालन भी नहीं किया, जो यूजीसी दिशानिर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस वजह से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के योग्य उम्मीदवारों को भी लाभ नहीं मिला है।

चार में से तीन कैंडिडेट को अयोग्य ठहरा दिया गया

हृदय रोग विभाग में खाली चार पदों में नियुक्ति में भी भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप प्रो. ओमशंकर ने लगाया है। प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि चार में से तीन कैंडिडेट को अयोग्य ठहरा दिया गया। जबकि आवेदकों में अधिकांश ने आईएमएस बीएचयू से ही एमडी,डीएम किया है। ऐसे में हृदय रोग विभाग में 75 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों के पद जानबूझकर खाली रखे गए हैं, जिससे मरीजों को महत्वपूर्ण सेवाओं से वंचित किया गया है और योग्य उम्मीदवारों के अवसरों को रोका गया है।

तालाब में मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

धानापुर। क्षेत्र के सकरारी गांव के बाहर रविदास जी कुटिया के पास तालाब में बृहस्पतिवार को युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। सकरारी गांव निवासी अखिलेश राम (27) धानापुर कस्बे में पल्लेदारी करता था। बुधवार की रात करीब आठ बजे वह शौच के लिए घर से निकला था लेकिन वापस नहीं आया। बृहस्पतिवार को सुबह ग्रामीणों ने तालाब में उतराया शव देखा तो पुलिस और परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों ने आरोप लगाया कि अखिलेश की हत्या की गई है। बताया कि किसी का फोन आने के बाद ही वह घर से निकला था। वहीं, अखिलेश की पत्नी वंदना रोते–रोते बेसुध हो जा रही थी। उसके दो बेटे हैं। एक की उम्र तीन वर्ष और दूसरा दो महीने का है। थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरूआती जांच में ऐसा लगा कि तालाब में गिरने से मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह सामने आएगी। बताया कि मृतक के परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है।

बीएचयू अस्पताल में गंभीर मरीजों के लिए बना पाथवे, वार्ड तक जाने की राह होगी आसान

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल और सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में भर्ती मरीजों को अब एक जगह से दूसरे जगह तक स्ट्रेचर और व्हीलचेयर से ले जाने की राह आसान हो गई है। इसके लिए एसएसबी के पास से अस्पताल के डॉक्टर्स लाउंज के सामने तक एक पाथवे बनाया गया है। मरीजों को इसी पाथवे से लाया ले जाया जाएगा। बीएचयू एसएसबी में नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, यूरोलॉजी, सर्जिकल आंकोलॉजी, इंडोक्राइनोलॉजी की ओपीडी के साथ कार्डियोलॉजी की कैथ लैब भी है। न्यूरोलॉजी से जुड़े मरीज भी एसएसबी में भर्ती किए जाते हैं। यहीं पर छठे तल पर आईसीयू भी है। प्रायरू जरूरत पड़ने पर गंभीर मरीजों को स्ट्रेचर और व्हीलचेयर से अस्पताल ले जाना पड़ता है। अब तक कोई एकल व्यवस्था न होने के कारण स्टाफ और तीमारदार सड़क के रास्ते मरीज को अस्पताल ले जाते थे। अब एसएसबी से डॉक्टर्स लाउंज तक पाथवे बनकर तैयार हो गया है। इसमें बारिश, तेज धूप, कोहरा आदि के समय में भी मरीजों को आसानी से ले जाया जा सकेगा।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों का प्रदर्शन

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों ने बृहस्पतिवार को भिखारीपुर बिजली कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान निजीकरण के फैसले को वापस लेने की मांग सरकार से की। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर हुए प्रदर्शन में कर्मचारियों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीदों के सपनों का भारत बनाओ – बिजली का निजीकरण हटाओ नारे भी लगाए। सभा की अध्यक्षता करते हुए मायाशंकर तिवारी, अंकुर पांडेय ने कहा कि ऊर्जा मंत्री द्वारा भ्रामक आकड़े देकर बिजली कर्मचारियों पर जिस तरह से चोरी का आरोप लगाया जा रहा है, उससे कर्मचारियों में नाराजगी है। सरकार को तत्काल यूपी में बिजली के निजीकरण का जनविरोधी निर्णय वापस लिया जाना चाहिए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उप्र में बिजली के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही शुरू की गई तो उसी समय बिना और कोई नोटिस दिए देश भर के बिजली कर्मचारी आंदोलन शुरू करने हेतु बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी उप्र सरकार और उप्र पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की होगी। इस दौरान नरेंद्र वर्मा, केके ओझा, एसके सिंह, मदन श्रीवास्तव, राजेन्द्र सिंह, संतोष वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

बीएचयू परिसर में माहौल गर्म, वार्डन पर थप्पड़ मारने का आरोपए आधी रात छात्रावास के बाहर धरना

वाराणसी। बीएचयू कैंपस में एलबीएस हॉस्टल के छात्र बृहस्पतिवार आधी रात हॉस्टल के वार्डन पर एक छात्र को थप्पड़ मारने का आरोप लगाकर हॉस्टल के सामने रास्ता जाम कर धरने पर बैठ गए। इस दौरान वार्डन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रों ने इस्तीफे की मांग की। धरने पर बैठे छात्रों ने बताया कि उनके हॉस्टल के मेस में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। इस पर पास में धनवंतरि हॉस्टल में चलने वाले मेस में मेस महाराज से बातकर उनको खाने की धनराशि जमा की गई। पिछले कुछ दिन से यहां खाना खाया जा रहा था। इस बीच बुधवार की रात में खाने के दौरान धनवंतरि हॉस्टल में रहने वाले मेडिकल छात्रों ने दुर्व्यवहार किया। जब इसका विरोध किया गया तो मेडिकल छात्रों ने फोटो खींची और हॉस्टल से भगा दिया। इसकी जानकारी देने के लिए चीफ प्रॉक्टर आफिस जा रहे थे कि एलबीएस हॉस्टल के वार्डन ने एक छात्र को थप्पड़ मार दिया। छात्रों ने बताया कि जब तक वार्डन इस्तीफा नहीं देंगे और मेडिकल छात्र माफी नहीं मागेंगे तब तक धरना खत्म नहीं करेंगे।

डीजे पर नाचने से मना करने पर नाबालिग ने की थी किसान की हत्या

वाराणसी। डीजे पर नाचने से मना करने से नाराज नाबालिग ने मऊ के घोसी स्थित कंधेरी गांव में बनी मड़ई में किसान की हत्या की थी। इस मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को नाबालिग आरोपी को पकड़ कर बाल सुधार गृह भेज दिया। घोसी कोतवाली पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने शाम को क्षेत्र के लाखीपुर फोरलेन से आरोपी को पकड़ा। घोसी कोतवाली क्षेत्र के कंधेरी गांव निवासी रामशरीख (50) रविवार को मढ़ई पर सोए थे। डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद के बाद हुए मारपीट से नाराज बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र निवासी नाबालिग ने उनकी हत्या कर दी थी। सीओ दिनेश दत्त ने बताया कि किसान की हत्या के बाद पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही थी। पूछताछ के दौरान किसान के परिजनों ने डीजे पर नाचने के दौरान मारपीट की बात बताई थी। इसी बात पर संदेह करते हुए मृतक के पुत्र ने नाबालिग के विरुद्ध केस दर्ज कराया था। आरोपी नाबालिग को बृहस्पतिवार को घोसी कोतवाली क्षेत्र के लाखीपुर फोरलेन से दोपहर तीन बजे पकड़ा। उसकी निशानदेही पर एक कुल्हाड़ी, एक फावड़ा, एक जैकेट व 200 रुपये नकदी बरामद की है।

गोवंश को ठंड से बचाव के सभी इंतजाम करें बीडीओ, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

वाराणसी। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय पर बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए सभी खंड विकास अधिकारियों को पशुओं को ठंड से बचाव के सभी इंतजाम और चारा पानी की व्यवस्था पर ध्यान देने को कहा। चेताया कि गोवंश को ठंड से बचाव करने में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित बीडीओ के खिलाफ कार्रवाई होगी। कहा कि जिले की टीम सभी गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण करेगी। जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी की प्रगति धीमी होने पर नाराजगी जताते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी विभाग के लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी। पर्यटन विभाग ने चार परियोजनाओं पर कराए जा रहे कार्यों को समय सीमा के अंदर ही पूर्ण कराए जाने को कहा। वन विभाग की समीक्षा में वन अधिकारी ने बताया कि इस साल लगाए गए पौधों की रिपोर्टिंग अब तक किसी भी विभाग द्वारा न दिए जाने के कारण जनपद की रैंकिंग खराब हो रही है। शिक्षा विभाग की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जिलाधिकारी निपुण भारत योजना पर तेजी से कार्य करने को कहा। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मत्स्य अधिकारी को अधिक से अधिक लोगों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। दिव्यांगजन, विधवा और वृद्धा पेंशन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी उमेश चंद तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सुशील कुमार, डीसी मनरेगा उपेंद्र पाठक, उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी किरण वर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बंगाल के राजा ने सिर्फ जमीन बेची, मंदिर हिंदूओं की सार्वजनिक संपत्ति

वाराणसी। वाराणसी के मदनपुरा में मिले सिद्धिश्वर महादेव के मंदिर पर किसी का मालिकाना हक नहीं है। बंगाल के राजा महेंद्र रंजन राय ने केवल जमीन और मकान ही बेचा है। दस्तावेजों में मंदिर के बिकने का कहीं भी जिक्र नहीं है। नगर निगम से मिले दस्तावेजों के आधार पर स्थिति साफ हो गई कि यह मंदिर हिंदुओं की सार्वजनिक संपत्ति है। जमीन से जुड़े दस्तावेजों की नकल बृहस्पतिवार को सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा ने प्राप्त की। काशी विद्वत परिषद और सनातन रक्षक दल जल्द ही मंदिर में पूजन शुरू कराएंगे। नगर निगम के 1927 से 1932 तक के असेसमेंट रजिस्टर की जांच के बाद पता चला है कि राजा महेंद्र रंजन राय ने हाजी ताज मोहम्मद को जमीन व मकान की रजिस्ट्री की थी। इसके बाद से आज तक की तिथि में मकान पर हाजी ताज मोहम्मद व परिवार का नाम चला आ रहा है। सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि नगर निगम के असेसमेंट रजिस्टर की पक्की नकल में कहीं भी मंदिर को बेचने का कोई जिक्र नहीं है। इससे यह साबित होता है कि यह मंदिर हिंदुओं का सार्वजनिक है और इस पर किसी का भी अधिकार नहीं है। ऐसे में मंदिर खरीदने की बात और इस पर अधिकार जताने वालों पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मंदिर से अगर मूर्ति और शिवलिंग गायब है तो इसकी जांच करके कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा बरकरार

चंदौली। सैयदराजा नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उपचुनाव में भाजपा ने दोबारा जीत हासिल कर अपना कब्जा बरकरार रखा। जिला मुख्यालय स्थित पॉलिटेक्निक में बृहस्पतिवार को मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी आभा जायसवाल को 98 वोटों से विजयी घोषित किया गया। वहीं, सपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार इशरत खातून कड़ी टक्कर देते हुए दूसरे स्थान पर रहीं। पिछले साल हुए नगर पंचायत के चुनाव में भाजपा की रीता मध्येशिया ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। गंभीर बीमारी के कारण इस साल जुलाई में उनका निधन हो गया था। इसके बाद उपचुनाव कराया गया, जिसमें आठ ओबीसी महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। 17 दिसंबर को हुए मतदान में कुल 9104 वोट पड़े थे। बृहस्पतिवार की सुबह मतगणना शुरू हुई। मतों की गिनती के दौरान 8868 वोट वैध पाए गए जबकि 236 अवैध मतों को रद्द कर दिया गया। भाजपा उम्मीदवार को शुरुआत से ही बढ़त मिल गई थी। तीन चक्रों की मतगणना के बाद भाजपा उम्मीदवार आभा जायसवाल को विजेता घोषित किया गया। आभा को 3539 वोट मिले जबकि 3441 मत पाकर सपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार इशरत खातून दूसरे स्थान पर रहीं।

पारिवारिक कलह से तंग आकर विवाहिता ने तीन जुड़वा बच्चों संग फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। पारिवारिक कलह से परेशान होकर एक विवाहिता ने अपने तीन जुड़वा बच्चों के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह हृदय विदारक घटना प्रतापगढ़ जनपद के कोतवाली देहात क्षेत्र के भदोही गांव से सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। पुलिस के

अनुसार, 26 वर्षीय कोमल ने घरेलू विवादों और मानसिक तनाव से परेशान होकर यह कठोर कदम उठाया। पड़ोसियों ने बताया कि परिवार में लंबे समय से आपसी झगड़े चल रहे थे, महिला का पति शराब के नशे का आदी था। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति के नशे की आदत और व्यवहार के कारण घर में अक्सर झगड़े होते थे। मृतक बच्चों की उम्र लगभग डेढ़ वर्ष थी, मां और बच्चों के शव एक कमरे में छत से लटके पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच बीए,बीएसी, वीकॉम, एमए, एमसी वीपीएड की हो रही परीक्षाएं

प्रयागराज। जनपद के विकास खण्ड संडवा चंद्रिका के अन्तर्गत तारनपुर स्थित यशोदानंदन हरिवंश पी.जी कॉलेज में इन दिनों प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्व विद्यालय प्रयागराज के विषम सेमेस्टर की परीक्षा बीए, बीएसी, वीकॉम, एमए, एमसी वीपीएड की परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 9 बजे से 11 बजे तक, दूसरी पाली दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक, और तीसरी पाली शाम 3 बजे से 5 बजे तक निर्धारित की गई है। परीक्षा केंद्र के हर एक कमरे को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखा गया है। छात्र/छात्राओं को समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचने और सभी आवश्यक दस्तावेज, जैसे प्रवेश पत्र और पहचान पत्र, साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। प्राचार्य डॉ. अभय सिंह ने यह भी सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक पाली की परीक्षा नकल विहीन संपन्न हो, परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए किसी भी छात्र/छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, उसके विषय में संबंधित महाविद्यालय को

बताया जा चुका है। इस व्यवस्था से न केवल परीक्षा प्रक्रिया सुचारू हो रही है, बल्कि छात्र/छात्राओं के साथ शिक्षकों को सुरक्षित माहौल भी मिल रहा है। तीन पालियों की यह प्रणाली कॉलेज के लिए एक प्रभावी समाधान साबित हो रही है। डॉ. अमित सिंह एवम् डॉ. शिव शंकर यादव को परीक्षा केंद्र का प्रभारी बनाया गया है। परीक्षा में अत्यधिक भीड़ होने के कारण महाविद्यालय में अंतू कोतवाली द्वारा प्राप्त सुरक्षा व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में डॉ. संजय सिंह, अवधेश मिश्रा, प्रज्वल सिंह, आरती सिंह, मीनाक्षी त्रिपाठी, विजय यादव सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने वर्चुअल बैठक कर परियोजनाओं की प्रगति का किया मूल्यांकन

प्रयागराज। नगर विकास मंत्री ए.के शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम प्रयागराज का विकास तीव्र गति से हो रहा है– महापौर गणेश केसरवानी। नगर निगम, प्रयागराज उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री माननीय एके शर्मा जी ने शनिवार को तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत चल रही व्यापक तैयारियों की वर्चुअल समीक्षा बैठक की।

उत्तर मध्य रेलवे

No. E/CS/D&AR/Piyush Dass/2024/03 Dated: 18.12.2024

गैर-हाजिरी सूचना

श्री पीयूष दास पुत्र श्रीमती सरोज दास, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर - III, अधीनस्थ- वरि0 खण्ड अभियंता / पी0वे0/ उ0म0रे0 / प्रयागराज, स्थाई पता- 18 / 26 हाशिमपुर रोड, टैगोर टाउन, नियर- कमला नेहरू हॉस्पिटल, जिला-प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, पिन कोड-211002 कि आप दिनांक- 03.09.2023 से अपनी ड्यूटी में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसके सापेक्ष में रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म-5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं. E/CS / D&AR / Piyush Dass/2024/03 dated 14.03.2024 जारी किया गया तदुपरांत श्री अशोक कुमार, वरि0 खण्ड अभि0 / रे0प0 / खागा को दिनांक 12.04.2024 को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियों सहित अपनी निष्कर्ष रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 11.10.2024 को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवलोकन किया गया, जिसमें पाया गया कि आरोपी एवं उसके सर्विस रिकॉर्ड को देखते हुए यह प्रतीत हुआ कि आरोपी रेल सेवा के प्रति अत्यन्त लापरवाह है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में कर्मचारी को दिनांक 14.10.2024 व 23.11.2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए आपके विरुद्ध रेल सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है। आरोपी कारण बताओ नोटिस प्राप्त करने के बाद भी अभी तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुआ है।

श्री पीयूष दास, पुत्र श्रीमती सरोज दास,
पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर - III, अधीनस्थ-वरि0
खण्ड अभियंता / पी0वे0/ उ0म0रे0 / प्रयागराज,
स्थाई पता- 18 / 26 हाशिमपुर रोड,टैगोर टाउन,
नियर- कमला नेहरू हॉस्पिटल,
जिला-प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, पिन कोड-211002

(अनुशासनात्मक अधिकारी)
सहा0 मण्डल अभि0/लाइन
उत्तर मध्य रेलवे
प्रयागराज
2148/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

133 वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रयागराज। विनय कुमार गर्ग, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक,के मार्गदर्शन,रजत पुरवार, उप महाप्रबंधक (सा.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के निर्देशन, संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के नेतृत्व एवं मुख्य कार्य अध्ययन निरीक्षकों श्री चन्द्र प्रकाश राय, श्री पुष्पेंद्र सिंह एवं श्री मनदीप सिंह के कुशल प्रबंधन द्वारा 133वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम, डीजल सिमुलेटर प्रशिक्षण केंद्र, तुगलकाबाद, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली 16 से 20 दिसंबर के बीच आयोजित किया गया। डीजल सिमुलेटर प्रशिक्षण केंद्र, तुगलकाबाद,उत्तर रेलवे,नई दिल्ली में आयोजित उक्त कार्यक्रम में मुख्यालय, प्रयागराज मंडल, झाँसी मंडल, कारखाना झाँसी एवं कारखाना सिथौली से आए सुपरवाईजरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन तथा उद्घाटन श्री संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज की उपस्थिती में एच

के शर्मा, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में एच के शर्मा,उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली, संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज,जितेंद्र कुमार, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/यातायात, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, हरी कृष्ण,सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, रेल कोच फैक्ट्री,कपूरथला,उल्लास कुमार,उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/आईटी,उत्तर रेलवे,नई दिल्ली,विपुल कुमार गोयल, उप महाप्रबंधक/विधि, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली, मन्नू प्रकाश दूबे,अपर महाप्रबंधक डीएफसीसीआईएल,प्रयागराज, कौशुभ मणि, मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली, डा. मंजुला हाण्डू, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/डेंटल, केंद्रीय अस्पताल, प्रयागराज, डा. एस के हाण्डू, चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय अस्पताल,एवं अमित सिंह,वरिष्ठ इंजीनियर/सूचना प्रौद्योगिकी/मुख्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा रेल प्रणाली पर सकारात्मक रवैया,आर्बिट्रेशन, ई–ऑफिस, अनुशासन एवं अपील नियम,रेल कर्मचारी आचरण नियम, आरटी आई,एचआरएमएस के सभी मॉड्यूल,निर्णय लेना, तनाव प्रबंधन,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स, कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न, एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विषयों पर व्याखान दिए गए। उक्त कार्यक्रम में "स्वास्थ्य प्रबंधन" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ पुरस्कार राशि तथा चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना राशि का पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम का समापन 20 दिसंबर को डा. एस के हाण्डू, चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय अस्पताल, प्रयागराज द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया।

फ्यूजन फेस्ट फोर्ड स्कूल टैलेंट पिटारा कार्यक्रम में बच्चों ने मचाया धमाल

प्रयागराज। काजीपुर नैनी स्थित फोर्ड स्कूल एण्ड कॉलेज में शनिवार को ' फ्यूजन फेस्ट 2024–25 फोर्ड स्कूल टैलेंट पिटारा ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रबंधक प्रो० डॉ० रितु प्रकाश दूबे ने कार्यक्रम का उद्घाटन गुब्बारों को आकाश में छोड़ कर किया साथ ही कार्यक्रम के लिए विशेष प्रार्थना भी किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा पार्षद दिलीप जायसवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों द्वारा अलग अलग प्रकार के व्यंजनो, खेल तथा झूलों आदि के स्टाल सजाई

गयी थी, जिसका छात्रों ने जमकर लुत्फ उठाया। इस मौके पर छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए नृत्य, गायन आदि में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केन्द्र लकी ड्रा रहा जिसमें प्रथम पुरस्कार वाशिंग मशीन, द्वितीय पुरस्कार माइक्रोवेव तथा तृतीय पुरस्कार मिक्सर ग्राइंडर दिया गया इसके अतिरिक्त छः से अधिक सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्रबंधक प्रो० डॉ० रितु प्रकाश दूबे ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को निखारते हैं साथ ही एकजुट होकर कार्य करने की क्षमता को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजन समिति, स्टाफ सदस्यों और अभिभावकों को विशेष धन्यवाद दिया, जिनका प्रोत्साहन सफलता की रीढ़ है। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रों के उत्साह और अथक प्रयासों की भी सराहना की।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रजनी सिंह, डा अंजनी सक्सेना, चार्ल्स जोसेफ राबर्ट, हिमांशु सरकार, शिवम सिंह, ब्रिजेश शर्मा, टी० विसेंन्ट, डैनियल सी मसीह, अराधना फेड्रिक, रीना दास समेत सभी शिक्षक एवं अभिभावक भारी संख्या में उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना दिनांक : 17.12.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कैं वै, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं-

ई-निविदा सूचना संख्या : NCR-M-PRYJ-ECWD-07-24			
कार्य का नाम : दो वर्षों के लिए प्रयागराज और कानपुर कोचिंग डिपो में D-3 शेड्यूल के दौरान LHB कोच पर Eddy Current के माध्यम से सतह दोष का पता लगाने का कार्य।			
निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रु. में) : 3527664.64		
बिड सिक्योरिटी : रु. 70600	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य	कार्य की अवधि : दो वर्ष	
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 17.12.2024	निविदा खुलने की तिथि : 09.01.2025		

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हो गया। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बन्द होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। 4. इस प्रयोजन हेतु केंद्रों को चाहिये कि वे अपने आप को I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 5. न्यूनतम पात्रता मानदंड : इस निविदा में लागू नहीं है। 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

2144/24 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

हजारों की संख्या में जुटे सपा कार्यकर्ताओं ने हाथ में बाबा साहब अम्बेडकर की तस्वीर लेकर लगाए नारे

प्रयागराज। भारत की संसद भारत की संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारतीय संविधान निर्माता करोड़ों दलितों, पिछड़ों, वंचितों के भगवान भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में आज हजारों की संख्या में सपा नेताओं कार्य कर्ताओं व पदाधिकारियों ने जिला कचहरी पहुँचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। सपा नेताओं ने कहा कि गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई बाबा साहब के प्रति टिप्पणी से दलित ,पिछड़ों एवं वंचित समाज की भावनाओं को गहरा आघात पहुंचा है। गृह मंत्री जी की इस टिप्पणी से दलित पिछड़ों के प्रति भाजपा की संविधान विरोधी मानसिकता प्रकट होती है। समाजवादी पार्टी का मुख्य उद्देश्य

लोकतंत्र और संविधान को मजबूत बनाना है जिससे दलित, पिछड़े समाज के जीवन में खुशहाली आए।भारतीय संविधान के जनक बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जीके विरुद्ध की गई टिप्पणी अति खेदजनक है। समाजवादी पार्टी जनपद प्रयागराज की जिला गंगापार, यमुनापार एवं महानगर इकाई भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदया से निम्न मांग करती है। भारत के गृह मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए अति शीघ्र जनता से माफी मांगी जाए। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पर की गई अपमानजनक टिप्पणी पर गृह मंत्री को मंत्रिमंडल से अति शीघ्र हटाया जाए। सपा कार्यकर्ता हाथ में बाबा साहब की तस्वीर लेकर नारे भी लगाते रहे। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव यमुनापार पप्पूलाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन,डॉ मानसिंह यादव, विजमा यादव, सत्यभामा मिश्र,हाकिम लाल बिन्द,संदीप पटेल,गीता शास्त्री, अंसार अहमद, धर्मराज पटेल, पंधारी यादव,मुजतबा सिद्दीकी, बासुदेव यादव,नरेन्द्र सिंह, अरविन्द केसरवानी, सत्य वीर मुन्ना,रविन्द्र यादव,राम सुमेर पाल,निधी यादव,राजू पासी,दान बहादुर मधुर,दूधनाथ पटेल, संदीप यादव, बब्बन दुबे,आर एन यादव, नाटे चौधरी, शांति प्रकाश पटेल, तारिक सईद, कुलदीप यादव,महबूब उस्मानी, सचिन श्रीवास्तव, राजबहादुर यादव,असगर अली, पवन यादव,,सऊद, श्रीमती मंजू यादव, प्रतिमा रावत, सुषमा पासी, जगदीश यादव, नवीन यादव, आसुतोष तिवारी, मुलायम यादव,अभयराज, मुसीर अहमद, रामाधीन मौर्य, आरिफ चंद, सैयद अंसार, ओ पी पाल, राम अवध पाल,सुशील एडवोकेट, कृपा शंकर बिन्द, मृत्युंजय पाण्डेय, जोंटी यादव, आदिल हमजा,निरेन्द्र यादव,आशीष पाल,लल्लन पटेल, मसाहद, योगेश पाल, ओ पी पाल, ओ पी यादव, दिलीप यादव, पप्पू पासी, सुरेश कुमार, अमित यादव, रुपनाथ यादव एडवोकेट, शौरभ रामा, शरद यादव, पद्मा यादव,गीता भारतीय,डॉ राजेश, रमाकांत पटेल, कृष्ण राज यादव,आदि सहित हजारों सपा कार्यकर्ता मौजूदरहे।

पुलिस अधिकारियों व सुरक्षा कर्मियों को किया जाएगा ट्रेंड

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयाग में 13 जनवरी से शुरु होने वाले महाकुम्भ–2025 महापर्व को सफल बनाने के लिए योगी सरकार द्वारा सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन व पूर्ति की प्रक्रियाओं में तेजी लाई गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार, इस बार महाकुम्भ दिव्य–भव्य होने के साथ ही डिजिटल भी होने जा रहा है। ऐसे में, सुरक्षा प्रबंधन के दृष्टिगत महाकुम्भ मेला में एडवांस्ड एआई डाटा ड्रिवन डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम को लागू करने की प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। इस सिस्टम को लागू करने से महाकुम्भ पुलिस का सर्विलांस कई गुना अधिक प्रभावी और मजबूत हो जाएगा। इससे सुरक्षा प्रबंधन व दृष्टिगत भीड़ प्रबंधन समेत विभिन्न पहलुओं की विवेचना करते हुए घटनास्थल व चिह्नित क्षेत्रों के रियलटाइम डाटा को एनालाइज कर प्रभावी स्ट्रेटेजी बनाने में मदद मिलेगी। बनाई जा सकेगी प्रभावी रणनीति। महाकुम्भ मेला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजेश कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार एडवांस्ड एआई डाटा ड्रिवन डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम को लागू करने की प्रक्रिया निर्धारण को लेकर कार्य शुरु हो गया है। इस प्रक्रिया को पूरा करने तथा सर्विलांस के लिए एक विशिष्ट टीम का गठन होगा जो इस सिस्टम को लागू करने, प्रत्येक पुलिसकर्मियों व सुरक्षा स्टाफ को ट्रेंड करने तथा विभिन्न प्रकार के रिपोर्ट्स के निर्धारण व निर्माण में मददगार साबित होगा। यह सिस्टम महाकुम्भ पुलिस ऐप के बाद सुरक्षा व स्मार्ट पुलिसिंग की ओर बढ़ रहे उत्तर प्रदेश पुलिस की एक और बड़ी सफलता होगी। एसएसपी राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस सिस्टम से पुलिस का सर्विलांस और अधिक मजबूत हो जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ ही मेला संचालन के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जा सकेगी। भीड़ प्रबंधन व सार्वजनिक सुरक्षा में सहायक होगा डाटा एनालिटिक्स सिस्टम। प्रयागराज में होने जा रहे महाकुम्भ मेला 2025 में 40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री शामिल होंगे, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े समारोहों में से एक बन जाएगा। इस तरह के विशाल आयोजन से भारी मात्रा में डाटा उत्पन्न होगा, जिसके लिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा व संरक्षा के लिए गहन विश्लेषण की आवश्यकता होगी। इसी क्रम में, प्रयागराज मेला पुलिस महाकुम्भ मेला–2025 की अवधि के लिए एक विशिष्ट टीम का गठन करेगी जो बड़े डाटासेट पर एआई व मेटा डाटा आधारित बिग डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम का निर्माण व संचालन करेगी ताकि आयोजन का सुरक्षित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके तथा अंतर–एजेंसी समन्वय को बढ़ाया जा सके। इसी को ध्यान में रखकर बिग डाटा एनालिटिक्स समाधान उपलब्ध कराने के लिए एआई युक्त सिस्टम का विकास किया जा रहा है। यह सिस्टम डाटा के पैमाने को देखते हुए, वास्तविक समय के डाटा विश्लेषण व कई डाटा स्रोतों में सहज संरक्षण व विवेचना क्षमताओं वाला एक मजबूत आधार बनेगा। टीम द्वारा बिग डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम के निर्माण व संचालन के साथ ही प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों व सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना होगा। इस सिस्टम को महाकुम्भ 2025 की शुरुआत के पहले टेस्टिंग फेज पूरा करने के बाद डिप्लॉय कर दिया जाएगा। कई खूबियों से लैस होगा डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम। डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन का उद्देश्य बड़े पैमाने पर डाटा सेटों को वास्तविक समयबद्ध विश्लेषण को सक्षम करना है, जिससे महाकुम्भ के दौरान प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा की सुविधा मिल सके। इसका उद्देश्य अंतर–एजेंसी समन्वय को बढ़ाना, समय पर संभावित खतरे का पता लगाना तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी उत्पन्न करना है। इसके अतिरिक्त, सिस्टम का उद्देश्य मजबूत डाटा हैंडलिंग और स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करना है, जो आयोजन के सुरक्षित और कुशल निष्पादन का समर्थन करना है। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस को लागू किया जाएगा। डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन सिस्टम इन खूबियों से होगा लैस। डाटा एनालिटिक्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर के तौर पर वृहद स्तर पर कार्य करेगा। रियल टाइम डाटा प्रोसेसिंग, एसेसमेंट व को–रिलेशन के आधार पर स्ट्रेटजी का निर्माण।

पत्रकार महाकुंभ में शिविर के लिए सीएम से 23 को मिलकर सौंपेगे ज्ञापन

प्रयागराज। महाकुंभ में समाचार पत्रों के शिविर बढ़ाने की मांग मामले को गंभीरता से न लेने पर सहायक निदेशक सूचना के खिलाफ कार्रवाई की मांग। प्रयागराज नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश की जिला इकाई की शनिवार को महाकुंभ 2025 में मीडिया कैम्पों के आवंटन को लेकर आपात बैठक हुई। जिसमें पत्रकारों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महराज को आज पत्र भेजकर मांग किया है कि महाकुंभ में समाचार पत्रों के कवरेज के लिए शिविर आवंटित कराने की मांग आज की है प्रयागराज के सहायक निदेशक सूचना इन्द्रमणि पाण्डेय ने कहा कि सूचना निदेशक शिशिर नेअन्य समाचार पत्रों को महाकुंभ में शिविर देने से इन्कार कर दिया है। सहायक निदेशक सूचना प्रयागराज का कहना है कि कुंभ मेला 2018–19 के आधार पर समाचार पत्रों को महाकुंभ में कवरेज के लिए शिविर आवंटित किया जाएगा जबकि छह वर्ष में पांच दर्जन से ज्यादा स्थानीय समाचार पत्रों की संख्या बढ़ गयी है। यूनियन के पदाधिकारियों ने आज सिविल लाइंस में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि 23 दिसंबर सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महराज के प्रयागराज आगमन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण प्रयागराज, महाकुंभ कार्यालय में मिलकर के समाचार पत्रों के कवरेज के लिए पांच दर्जन अतिरिक्त शिविर आवंटित करने की मांग की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, संरक्षक पवन द्विवेदी,संरक्षक परवेज आलम डॉ सुधाकर पांडेय, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव,वीरेंद्र श्रीवास्तव अभय शंकर पाण्डेय जिया सिद्दीकी संतोष सिंह मिथलेश त्रिपाठी महामंत्री राजीव कुमार सिंह अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री मंत्री ,मधुर दरबारी,इरफान खान,असद कुरैशी शिव कुमार पाण्डेय रंजीत निषाद सौरभ कुमार आद र्श राजीक आमीर अंसारी अजय कुशवाहा ब्रिजेश केसरवानी , सुहेल हनीफ, नागेंद्र सिंह सहित सैकड़ो पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र मे गुजरात के रास-गरबो से सजा मंच

प्रयागराज। महाकुंभ के अवसर पर लगे इन्ड्स्ट–सी, गुजरात सरकार द्वारा शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश मे 20 से 29 दिसंबर, 2024 तक गुजरात के शिल्प कारो की कलाकृति का प्रदर्शन –एवं–बीक्री का आयोजन कीया गया है। इस उत्सव मे दिनांक 20, 21 एंव 22 दिसंबर, 2024 को गुजरात के श्री कन्या विद्यालय अस्तान,सुरत,गुजरात –कलाकृति प्राचीन गुजराती टेडीशनल गरबा, अर्वाचीन गरबा एवं श्री

राठवा आदीवाशी जनजाती, छोटाउदेपुर, गुजरात–कलाकृति राठवा ट्रायबल डान्स के "गुजराती रास–गरबा कार्यक्रमो" की मन्च पे धुम मची है। जीस का प्रयागराज के नगरजन परिवार के साथ मनोरंजन का आनंद उठा रहे है। साथ ही गुजरात के बहेतरीन शिल्पकला से जुडे शिल्पकार की हेन्डलूम–हस्तशिल्प की कलाकृतियां की खरीदारी कर रहे है।

महिला चेतना क्लब द्वारा मूक बधिर छात्रों में बांटा गया ऊनी कपड़े

प्रयागराज। फुलपुर इफको महिला चेतना क्लब ने मूक बाधिर विद्यालय जार्ज टाउन, प्रयागराज में मूक बाधिर बच्चों को स्वेटर वितरित किया। इसके अतिरिक्त कुष्ठ आश्रम, करेली के वृद्ध तथा महिलाओं को स्वेटर, कम्बल, शाल, चावल आदि वितरित किया गया। इफको महिला चेतना क्लब प्रतिवर्ष गरीब,बेसहारा व जरूरतमंदो की सहायता करती है। महिला चेतना क्लब की अध्यक्ष विनीता कुदेशिया ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म यही है कि जरूरतमंदों की सहायता करना। उन्होंने प्रतिबद्धता जताया कि महिला चेतना क्लब आगे भी लोक कल्याण कार्यों में हमेशा अपनी

सहभागिता दर्ज करायेगा। इस दौरान सरिता सिंह, अल्का गुप्ता, पूनम शर्मा, अमीता पाण्डेय, अनामिका मिश्रा व ममता राज सिंह उपस्थित रही।

ग्राम चौपालों में 04 लाख 46 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण

प्रयागराज। उपमुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या –गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है,वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। व्यक्तिगत समस्याओंके अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1412 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 4002 प्रकरणों का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया। इन ग्राम चौपालों में 3455 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6400 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 80 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग, जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 16 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 79 लाख 86 हजार से अधिक ग्रामवासी मौजूद रहे और 04 लाख 46 हजार से अधिक समस्यों/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।